Finish 196.5 x 260 mm


# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर २०१८ • वर्ष ६९ • अंक ११

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२२ अक्तूबर २०१८ को मुख्यमंत्री निवास, देहरादून में गोपेश्वर (चमोली) स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के भवन-निर्माण हेतु मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत को सम्मेलन की ओर से ५५ लाख रुपये का चेक सौंपते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ।

## इस अंक में :


- अध्यक्षीय - सम्मेलन के बढ़ते कदम।
- सम्पादकीय - आत्मतत्व के प्रकाश से जीवन को उत्सव बनायें!
- आलेख - गाय माता क्यों, कामधेनु क्यों?
- प्रांतीय समाचार - उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर, दिल्ली, गुजरात, उत्कल एवं पश्चिम बंग।

११-१२ अक्तूबर २०१८ को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे के क्रम में लखनऊ में - (बायें से) उत्तर प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल, विधायक डॉ. नीरज बोरा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल के. जाजोदिया।

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

# समाज विकास

◆ नवम्बर २०१८ ◆ वर्ष ६९ ◆ अंक ११
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

## अनुक्रमणिका


| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **चिट्ठी आई है / विविध** | ३-४ |
| ● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** आत्मतत्व के प्रकाश से जीवन को उत्सव बनायें | ५-६ |
| ● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** सम्मेलन के बढ़ते कदम | ७ |
| ● **केन्द्रीय/प्रान्तीय समाचार** | ११-२१ |
| ● **आलेख :** गाय माता क्यों, कामधेनु क्यों? | २५-२६ |
| ● **विविध** | २७ |
| ● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत | २८-३० |


**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन : ०३३-४००४ ४०८९**

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

**◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

## सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय से सम्पर्क

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी माननीय सदस्यों एवं समाज विकास के सुधी पाठकों के सूचनार्थ निवेदन है कि वर्तमान समय की संचार-आवश्यकताओं को देखते हुए सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय में एक आधुनिक मोबाईल फोन (नं. ८६९७३१७५५७) की व्यवस्था की गई है। इस नम्बर पर ह्वाट्सऐप या एस.एम.एस. के माध्यम से संदेश भेजे जा सकते हैं। सभी सदस्यों से यह नम्बर 'सेव' कर रखने का सादर अनुरोध है। कृपया इस नम्बर पर बात करने के लिए फोन न करें, बात करने के लिए पूर्ववत लैंडलाइन नम्बर ०३३-४००४ ४०८९ पर फोन करें।**

**सम्मेलन के ईमेल aimf1935@gmail.com या कार्यालय प्रबंधक के ईमेल abhilashataimf@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से सम्पर्क का भी स्वागत है।**

**– श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय महामंत्री**

**चिट्ठी आई है**

## बधाई !

सर्वप्रथम मैं आपको अखिल भारत वर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आपके नेतृत्व में समाज को नई ऊर्जा मिलेगी। सम्मेलन के मुखपत्र समाज विकास के सितम्बर २०१८ अंक में आपका अध्यक्षीय लेख 'स्वस्थ समाज के लिए अनिवार्यः शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय' पढ़कर काफी प्रसन्नता हुई।

**– दुर्गादत्त लोधा**
चाकुलिया, सिंहभूम (प.), झारखण्ड

## भूल सुधार

गतांक में प्रकाशित अखिल भारतीय सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की सूची में पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री भानीराम सुरेका का नाम भूलवश छूट गया है। श्री सुरेका इस समिति के सम्मानित पदेन सदस्य हैं। क्षमायाचना सहित, सूची सुधार कर पढ़ने का अनुरोध है।

**प्रांतीय समाचार : दिल्ली**

## श्री रघु मोदी का स्वागत

मारवाड़ी सम्मेलन दिल्ली के पदाधिकारियों ने मारवाड़ी सम्मेलन के महापंचायत के सह- चेयरमैन श्री रघुनंदन मोदी से उनके दिल्ली प्रवास के दौरान मुलाकात की। इस अवसर पर श्री मोदी को सम्मानित किया गया एवं समाज की एकता के लिये भविष्य के कार्यक्रमों के विषय में चर्चा की गई।

श्री नरेन्द्र बाजोरिया, अध्यक्ष दक्षिण दिल्ली, श्री विनोद किल्ला, भूतपूर्व अध्यक्ष, दक्षिण दिल्ली, श्री रघुनंदन मोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, महामंत्री, दिल्ली प्रदेश एवं श्री सज्जन शर्मा, मध्य दिल्ली अध्यक्ष चित्र में परिलक्षित हैं।

# सम्मेलन का ८४वाँ स्थापना दिवस समारोह

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २४वाँ स्थापना दिवस समारोह आगामी २५ दिसम्बर २०१८ (मंगलवार) को कोलकाता-स्थित कलामंदिर सभागार (४८, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७) में सुबह १० बजे से आयोजित किया गया है।**

**सम्मेलन के सभी माननीय सदस्यों की सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थित है।**

**— श्रीगोपाल झुनझुनवाला**
**राष्ट्रीय महामंत्री**

# रुपये का इतिहास

**अवश्य पढ़ें – प्राचीन भारतीय मुद्रा के विषय में बच्चों को भी जरूर बतायें।**

| | | |
|---|---|---|
| फूटी कौड़ी | से | कौड़ी |
| कौड़ी | से | दमड़ी |
| दमड़ी | से | धेला |
| धेला | से | पाई |
| पाई | से | पैसा |
| पैसा | से | आना |
| आना | से | रुपया बना |

२५६ दमड़ी = १९२ पाई = १२८ धेला = ६४ पैसा (old) = १६ आना = १ रुपया।

१) ३ फूटी कौड़ी = १ कौड़ी
२) १० कौड़ी = १ दमड़ी
३) २ दमड़ी = १ धेला
४) १.५ पाई = १ धेला
५) ३ पाई = १ पैसा (पुराना)
६) ४ पैसा = १ आना
७) १६ आना = १ रुपया

प्राचीन मुद्रा की इन्हीं इकाइयों ने हमारी बोल-चाल की भाषा को कई कहावतें दी हैं, जो पहले की तरह अब भी प्रचलित है –

एक **फूटी कौड़ी** भी नहीं दूँगा।
**धेले** का काम नहीं करती हमारी बहू।
चमड़ी जाए पर **दमड़ी** न जाए।
**पाई-पाई** का हिसाब रखना।
सोलह **आने** सच इत्यादि।

Our children & grand children must know the old history of small coins. Our one rupee was consisting of 256 parts called Damri.

**संकलन : आत्माराम सोंथलिया**

# आत्मतत्व के प्रकाश से जीवन को उत्सव बनायें

दीपावली को महापर्व के रूप में मनाया जाता है। यह पाँच दिनों का महापर्व है। दीपावली के साथ अनेक मिथक एवं प्रसंग जुड़े हुए है। कम से कम तीन हजार वर्षों से मानवचित के उमंग एवं उल्लास की कहानी इस पर्व के साथ जुड़ी हुई है। लगभग दो सौ पीढ़ियों से यह पर्व मनुष्य को आनंद से उद्वेलित करता आ रहा है। शासनों एवं राजा-महाराजाओं के उत्थान पतन होते रहे, बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक मान्यताएँ बनती बिगड़ती रही, चंचला लक्ष्मी का प्रसाद न जाने कितने लोगों को प्राप्त हुआ, कितने उससे वंचित रह गये, पर दीपमाला का रथ नहीं थमा। भारत का गरीब तबका भी माटी का एक जोड़ा दिया अपने घर के दरवाजे पर उस दिन जरूर रखता है। उन दीपों से उसका अहंकार नहीं बल्कि आस्था एवं विश्वास प्रकाशित होता है। दीपावली प्रकाश का पर्व है। यह आलोक का विस्तार, पराजित अमावस्या का उच्छवास, घोर अंधकार का पलायन, संकल्प रूपी ज्ञान का मनुष्य के चित्त में प्रकट होने, आनंद यात्रा का मार्ग प्रशस्त करने के लिये चहुँओर आलोक वर्षा, स्नेह-सौहार्द, सहभागिता एवं परस्पर मंगलकामना का पर्व है। दीपावली पर तेल से भरा हुआ दीपक मनुष्य को संदेश देता है कि तिल तिल कर जलना एवं अपने परिवेश को आलोकित करना ही दीपक का धर्म है। दीपक एक तरफ तेल में डूबा रहता है, दूसरी तरफ से जलने को प्रस्तुत रहता है। संसार रूपी दीपक में, संकल्प रूपी तेल से, मनुष्य के जीवन रूपी बाती प्रज्ज्वलित होकर अंधकार को दूर करने का काम करती है। क्षण-क्षण बीतता हुआ मानव-जीवन अपने संकल्प एवं कार्यो का उत्सर्ग करते हुए संसार को आलोकित करता हुआ अपना पदचिह्न छोड़ जाता है, जिसे देखकर आनेवाली पीढ़ी आगे बढ़ती है। जो व्यक्ति ऐसा नहीं कर पाता, उसने अपने जीवन का उचित उपयोग नहीं किया।

मानव तन है मिट्टी का, इसमे अनंत ऊर्जा होती,
उस ऊर्जा को प्रज्वलित कर अनंतशक्ति का श्रोत बहायें
ऐसा कोई दीप जलाएँ।
ऊंच नीच के घेरे तड़ें, बहक रहे जो उनको मोड़ें,
भेद-भाव से अलग-थलग प्रेम दया करुणा से जोड़ें
ऐसा कोई दीप जलाएँ।

***हमारी संस्कृति हमें 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का पाठ पढ़ाती है। हमारी संस्कृति हमें 'सेवा परमो धर्म' के मार्ग पर चलना सिखाती है। प्रकृति का यह अकाट्य नियम है, जो हम देते हैं, वह हमें घूम-फिरकर वापिस मिल जाता है। आइये, हम प्यार, खुशियाँ, सम्मान एवं सद्भावना बाँटें।***

हमारे सभी त्योहार साधारणतः असत्य पर सत्य की विजय, बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाये जाते है। पर दीपावली उसके आगे जाता है। यमराज एवं नचिकेता के बीच एक महत्वपूर्ण वार्तालाप भी दीपावली के अवसर का ही है। यमराज नचिकेता से वरदान में भूमि, स्वर्ण, पुत्र, पौत्र, आयु, राज्य आदि सभी कुछ माँगने के लिए कहते हैं, लेकिन नचिकेता आत्मतत्व का ज्ञान माँगते हैं। हमारे वेदों में कहा गया, "तमसो मा ज्योतिर्गमय"। यानि तमस् से ज्योति की ओर अग्रसर होना। यहाँ तमस् सिर्फ अंधकार एवं ज्योति सिर्फ प्रकाश तक सीमित नहीं है। इनका व्यापक स्वरूप है, जिसकी व्याख्या गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने कीया है। गीता में कहा गया है कि तमोगुण समस्त देहधारी जीव का मोह है। जब तमोगुण में वृद्धि हो जाती है तो अंधेरा, जड़ता, काम, क्रोध, लोभ, प्रमाद, आलस्य एवं नींद उत्पन्न होता है। जब कोई तमोगुण में मरता है तो पशुयोनि में जन्म धारण करता है। ज्योति के विषय में गीता में कहा गया है कि स्वयं भगवान समस्त प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत है। वे भौतिक अंधकार से परे हैं। वे ज्ञान के लक्ष्य हैं, वे सबके हृदय में स्थित हैं। गीता में ज्ञान को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। विनम्रता, दंभहीनता, अहिंसा, सहिष्णुता, गुरू का सत्संग, पवित्रता, स्थिरता, आत्मसंयम, समभाव आदि को ज्ञान कहा गया है। इन बातों से हम समझ सकते हैं कि तमसो मा ज्योतिर्गमय में निहित संदेश कितना गहन है।

दीपावली के अवसर पर विशेषकर महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। कलियुग के प्रभाव से हम रुपये-पैसे को ही लक्ष्मी का रूप समझने लगे हैं। किन्तु यथार्थ सर्वथा भिन्न है। भगवती लक्ष्मी का प्राकट्य समुद्र-मंथन के दौरान दीपावली के दिन ही हुआ था। दानवों की तामसी वृत्ति एवं देवताओं की भोगवृति की उपेक्षा करके उन्होंने भगवान विष्णु का वरण किया था। उसका संदेश यही था कि जो अपने पालन के लिए नहीं, बल्कि जगत के पालन के लिए अस्तित्व धरते हैं, लक्ष्मी जी वहाँ सदैव निवास करती हैं। वैदिक काल से ऋग्वेद के सूत्रों में श्री एवं लक्ष्मी को सम्मिलित रूप मे वर्णित किया गया था। श्रीसुक्त में श्री को यशस्वी आभूषण से सज्जित, स्वर्ण की तरह

शोभायमान, चाँद-सूर्य की तरह दीप्तिमान, दिव्यगुणयुक्ता के रूप में बताया गया है। उनका यश, कीर्ति, धन-धान्य, ऋद्धि, वाणी की सत्यता, संकल्प सिद्धि, श्री, तेज, आयु, स्वास्थ्य की दात्री के रूप में उल्लेख किया गया है। श्री सूत्र में उनसे आराधना की गई है कि वे अपने भक्तों के बाहरी एवं भीतरी दारिद्रय को दूर करें। यह भी कहा गया है कि श्री सुक्त के पाठ से क्रोध, मत्सर, लोभ एवं अशुभ कार्यों में प्रवृत्ति हट जाती है एवं सत्कर्म की ओर प्रेरित होते हैं। दीपावली से जुड़े हुए मिथकों में भगवान राम का चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण होने पर अयोध्या लौटने का प्रसंग प्रमुख है। दशरथ यानि जो दस रथों पर सवार है। कौशल्या का अर्थ है कुशलता। जब दस इन्द्रियो वाला व्यक्ति कुशलता के साथ अश्वमेध यज्ञ सफलतापूर्वक सम्पन्न करता है तो उसके जीवन में भगवान राम का उदय होता हैं। अश्वमेध का मतलब होता है, अपने विवेक को वर्तमान में लाकर अपने तन-मन को स्वच्छ करना एवं अपने भीतर गहरे उतर जाना। 'रा' का अर्थ है – प्रकाश एवं 'मां' यानि मेरे भीतर। राम हमारी आत्मा का प्रतीक हैं। अयोध्या यानि जहाँ संघर्ष न हो।

आपसी संबंधो में मधुरता जीवन को उत्सव बनाने का सुगम मार्ग है। जीवन में मानवीय मूल्यों की स्थापना करना वक्त का तकाजा है। हमारे मन में पुरानी बातें भरी पड़ी रहती हैं, गलतफहमी की धूल जम जाती है, अपमान के दाग लग जाते हैं, ऐसी यादें है, जिनकी अब जरूरत नहीं है। नये सोच एवं नये व्यवहार के साथ उनको मन के कोने से सफाई कर के निकाल बाहर करें। आपसी रिश्तों में मिठास भरें, मीठा बोलें, प्यार भरे बोल, सम्मानीय बोलकर एक दूसरे को अपना बनायें। जो जैसा है, वैसा स्वीकार करके, स्वीकृति का उपहार परस्पर आदान-प्रदान करें। भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी ने इस भावना का अपनी कविता में सटीक चित्रण किया है –

जब प्रेम के दीपक जलते हों,
सपने जब सच में बदलते हों,
मन में हो मधुरता भावों की,
जब लहके फसले चावों की,
उत्साह की आभा होती है
"उस रोज़ दिवाली होती है।"
जब प्रेम से मीत बुलाते हों,
दुश्मन भी गले लगाते हों,
जब कहीं किसी से वैर न हो,
सब अपने हों, कोई गैर न हो,
अपनत्व की आभा होती है
"उस रोज़ दिवाली होती है।"

मेरा नाम, मेरा शरीर, मेरे रिश्ते, मेरी संपत्ति, मेरा ओहदा, मेरा धर्म, सब कुछ मेरा है। मैं कौन हूँ? मै हूँ अविनाशी आत्मा। पवित्रता, चैतन्यता, शांति, प्रेममेरा धर्म है। कहा जाता है कि हमारा मानव जीवन हजारों चमत्कारो से गढ़ा हुआ है। इस दुनिया को प्रकाशित करने के लिये हम पैदा हुए हैं। हम चैतन्य दीपक बनकर दुख, मायूसी एवं निराशा के अंधेरे को दूर करें। यह विचार भी एक दीपक है, जिसकी रोशनी हमे फैलानी है। 'गालिब तेरे ख्याल से रोशन है यह जहां।' त्यौहार हमे संयम एवं त्याग सिखाते हैं। समाज में दूसरों के प्रति संवेदनशीलता, सहिष्णुता एवं सहअस्तित्व के भाव के साथ जीने का संदेश देते हैं। अपनी अतृप्त लालसा की पूर्ति की जगह जरूरतमंद की जरूरत को पूरा करने का संदेश देती है। कुटियों में और अधिक आलोक बिखरे, ज्योति में ज्योति जले, दीपोत्सव की आभा में असंख्य आलोक-पुष्प खिलें। दीपोत्सव हमारे जीवन को उत्सव में परिणित करने आता है। देना ही जीवन, लेना मृत्यु। रहीम ने कहा है –

रहिमन वे नर मर चुके जे कछु मांगन जाहिं
उनसे पहले वे मरे जिन मुख निकसत नाहिं

दीपक को दिया भी कहते है। हमें प्यार, खुशियाँ, मंगलभावनायें, मुस्कान देते रहना है। जब तक जीवन है यह देने का सिलसिला अविरल जारी रखना है। इसी प्रकार हम अपने जीवन को उत्सव मे परिणित कर सकते हैं। मनुष्य में अपरिसीम क्षमता, उर्जा का श्रोत है। जब हम 'मैं' के संकुचित दायरे से स्वयं को निकालेंगे, तब हमें अपने विराटता का परिचय प्राप्त होगा। हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की संस्कृति है। हमारी संस्कृति हमें 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का पाठ पढ़ाती है। हमारी संस्कृति हमें 'सेवा परमो धर्म' के मार्ग पर चलना सिखाती है। प्रकृति का यह अकाट्य नियम है, जो हम देते हैं, वह हमें घूम-फिरकर वापिस मिल जाता है। आइये, हम प्यार, खुशियाँ, सम्मान एवं सद्भावना बाँटें। जिनके घर में अंधेरा है, उनके घर को रोशन करें। अपना दिया जलाकर औरों का दिया जलायें। दिया जहाँ भी जलता है, निःसंकोच बिना भेद-भाव के समान रूप से प्रकाश बाँटता है। हमे स्वयं दीपक बनना है। बुद्ध की वाणी 'अप्प दीपो भव' को चरितार्थ करना है। स्वयं को दीपक बनाकर हमारे घर की ही तरह पूरी दुनिया को सजाना है। माण्डूक्य उपनिषद में कहा गया है – प्रदातं स्वयं, अर्थात जो आत्मतत्व है, वह स्वयं प्रकाशित है। आत्मतत्व में हमेशा उजाला रहते हुए भी हमारा संशय हमारे प्रकाश को ढक लेता है। हम अपने गंध को पागलों की तरह वन-वन ढूँढ़ते रहते हैं।

तेरा साईं तुझमें ज्यो पुहुपन में बास
कसतूरी का मिरग ज्यों फिरी-फिरी ढूंढ़ै घास

मनुष्य का आत्मतत्व उसके अंदर है, जिस प्रकार फूलों में सुवास बसता है। परंतु जिस प्रकार कस्तुरी का मृग उस सुगन्धि को घास मे ढूँढ़ता है, उसी प्रकार मनुष्य आनंद की खोज में बाहरी दुनिया में उलझा रहता है। इस आत्मतत्व पर जो हमारे अज्ञान का आवरण पड़ जाता है, उसकी सफाई करने से हमारा जीवन उत्सव बन जायगा।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

## उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड एवं गुजरात दौरा

# सम्मेलन के बढ़ते कदम

– सन्तोष सराफ

अक्टूबर मास में हमने नवरात्रि एवं दशहरा का पर्व पूर्ण आस्था एवं भाव से मनाया। हमारी संस्कृति एवं समाज के लिये ये दोनों पर्व ही महत्वपूर्ण हैं। असुरों की बढ़ती ताकत को रोकने के लिये सभी देवताओं के सम्मिलित सहयोग से माँ दुर्गा ने अवतार लिया एवं असुरों का संहार किया। हिन्दु धर्म ही एकमात्र धर्म है जिसमें देवी की आराधना की जाती है। विजयदशमी पर्व हम भगवान राम की रावण पर विजय के अवसर पर मनाते हैं। भगवान राम ने रावण का संहार किया। राष्ट्र में आज फिर से आसुरी शक्तियाँ सर उठा रही हैं। समाज में नयी-नयी कुरीतियाँ एवं विसंगतियाँ पनप रही हैं। समाज में बदलाव आ रहा है। हमारे मूल्यबोध में बदलाव आ रहा है। समाज एक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। यह बदलाव एक निरंतर प्रक्रिया है। समाज के मनीषियों का मानना है कि इस बदलते युग में वह समाज ही टिका रहेगा जो बदलाव को आत्मसात कर लेगा। फिर भी हमें हमारे मूलभूत नैतिक मूल्यों के विषय में सचेत रहना चाहिए।

आज आर्थिक उन्नति को ही विकास का एकमात्र सूचकांक माना जा रहा है। आर्थिक सम्पन्नता के साथ अगर मानसिक संकीर्णता रहे तो वह अवनति का कारण बन जाता है। स्वांतः सुखाय की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सम्मेलन सदैव ही आवश्यक बदलाव का पक्षधर रहा है, जिससे समाज में शुचिता एवं परस्पर प्रेम एवं सौहार्द बढे। हमें इस विषय में सचेत रहना है ताकि समाज के बुनियादी ढाँचे एवं हमारे संस्कृति के मूलभूत आधार को क्षति नही पहुँचे।

इस माह के ११ एवं १२ अक्टूबर को मैंने उत्तर प्रदेश का दौरा सम्पन्न किया। इस दौरे में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल जाजोदिया एवं उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल मेरे साथ थे। यह दौरा संतोषप्रद रहा। बहराइच में एक नई शाखा खोली गई। इसके साथ लखनऊ में भी समाजबंधुओं के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस यात्रा की उपलब्धि रही कि उत्तर प्रदेश के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की। इसके उपरांत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल जाजोदिया एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल ने गोंडा एवं पयागपुर में भी समाज बंधुओं के साथ मिलकर विचार-विमर्श किया। मुझे आशा है कि इस दौरे के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने के प्रयास को गति मिलेगी। मैं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री जाजोदिया एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री अग्रवाल को उनके प्रयासों के लिये बधाई देना चाहता हूँ एवं आशा करता हूँ कि जल्द ही उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में भी सम्मेलन सक्रिय होगा।

यह एक हर्ष का विषय है कि २२ अक्टूबर को देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री माननीय श्री त्रिवेन्द्र सिंह जी रावत के हाथों चमोली जिले स्थित गोपेश्वर के एक विद्यालय के नव भवन निर्माण के हेतु सम्मेलन की ओर से ५५ लाख रुपयों का चेक सौंपा गया। इस प्रकार उत्तराखंड राहत कोष का यह कई वर्षों से लंबित कार्य सम्पन्न हुआ। इस समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री बसंत मित्तल, उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रंजीत जालान, प्रांतीय महामंत्री श्री रंजीत टिबड़ेवाला एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ बैठक में प्रदेश में सम्मेलन के संगठन को मजबूत करने एवं कार्यकलापों को गतिशील करने के विषय में भी सार्थक चर्चा हुई।

२८ अक्टूबर को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सूरत में मारवाड़ गौरव सम्मान २०१८ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुझे उपस्थित रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल एवं प्रांतीय महामंत्री श्री संदीप कुमार सिंगल के प्रयास से यह कार्यक्रम सफल रहा। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की।

दीपावली के अवसर पर मैं सभी समाजबंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ! सभी को मेरी ओर से दीपावली की राम राम!

जय समाज, जय राष्ट्र!

# MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

# उच्च शिक्षा कोष

**समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल**

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के ८९ छात्र-छात्राओं को करीब १ करोड़ ७२ लाख रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वर्तमान वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में अब तक करीब २७ लाख रुपयों का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other rights."

पूर्व की भांति समाज के दाताओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ, वर्तमान सत्र में श्री संदीप फोगला ने २५ लाख एवं श्री आनन्द कुमार अग्रवाल ने दिया ५ लाख का सहर्ष अनुदान

आप भी बढ़ाएं सहयोग का हाथ **समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार**

## छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, सिविल सर्विसेज, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

## सम्मेलन के उत्तराखंड पुनर्निर्माण सहयोग के अन्तर्गत

# गोपेश्वर में विद्यालय भवन के निर्माण हेतु ५५ लाख का अनुदान

प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सम्मेलन अपने संगठन का उपयोग प्रभावित लोगों की मदद के लिए करता है। चाहे कोलकाता में आग लगने की बात हो, उत्तराखंड में तूफान की या नेपाल के भूकम्प की, सम्मेलन ने सदैव मदद का हाथ बढ़ाया है।

जून २०१३ में उत्तराखंड में आये विनाशकारी तूफान की सूचना मिलते ही सम्मेलन ने त्वरित गति से कार्यवाही की। कोष एवं राहत सामग्री एकत्रित करके उत्तराखंड स्थित अपने प्रादेशिक शाखा के माध्यम से विपदाग्रस्त लोगो में राहत सामग्री का वितरण किया गया और यथासंभव प्रत्येक सहयोग देने का हर प्रयास किया गया। तथापि, तत्कालीन सहायता के अतिरिक्त, सम्मेलन की यह मंशा रही है कि उत्तराखंड के पुनर्निर्माण में अपनी यथोचित भूमिका निभाये। इस सम्बंध

में सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री नंदलाल रुंगटा आदि के सक्रिय प्रयासों से एक कोष की स्थापना की गयी। समुचित विचार-विमर्श के बाद, सम्मेलन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि उत्तराखंड के चमोली जिले स्थित गोपेश्वर में सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के भवन निर्माण हेतु सहयोग दिया जाये। इसमें उत्तराखंड के जनप्रिय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह जी रावत का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ जिसके लिये सम्मेलन उनका आभार व्यक्त करता है।

गत २२ अक्टूबर २०१८ को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री निवास में एक सादा समारोह आयोजित कर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह जी रावत को उक्त विद्यालय के भवन निर्माण में पूर्ण सहयोग हेतु पचपन लाख रुपये का चेक सौंपा (चित्र में)। इस अवसर पर श्री रावत ने सम्मेलन के सामाजिक एवं सेवामूलक कार्यों की सराहना की और कहा कि सम्मेलन ने पिछले आठ दशक में अपने कार्यक्रमों से समाज में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है। अपने

उद्‌बोधन में श्री संतोष सराफ ने सम्मेलन की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और कहा कि सम्मेलन समाजहित के कार्यो हेतु अनवरत प्रयासरत रहेगा।

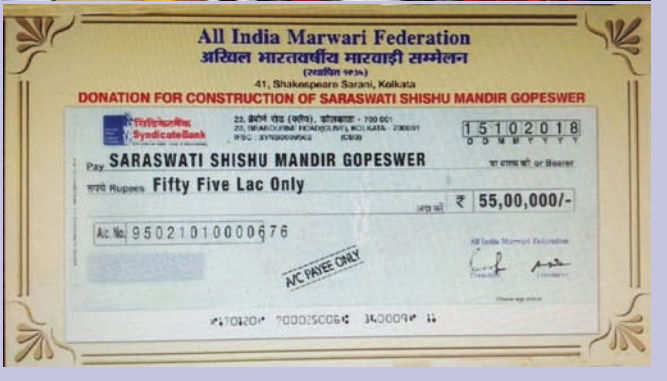


इस अवसर पर उत्तराखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रंजीत कुमार जालान, सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, झारखंड सम्मेलन के पूर्व महामंत्री श्री बसंत मित्तल, उत्तराखंड सम्मेलन के महामंत्री श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल, भारतीय शिक्षा समिति (उत्तराखंड) के प्रदेश निरीक्षक डॉ. विजयपाल सिंह एवं सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य श्री देवचन्द्र सिंह राणा, श्री सत्य प्रकाश बेंजियल, श्री अम्बर अग्रवाल, श्री मुरलीधर चंडोला, श्री सुरेन्द्र मित्तल आदि उपस्थित थे।

*With Best Compliments From:*

# ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

***Branches & Associates:***

**GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,**
**BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,**
**VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE**

# उत्तर प्रदेश में संगठन के विकास की नई पहल

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने ११ व १२ अक्तूबर २०१८ को उत्तर प्रदेश में विभिन्न स्थानों का दौरा किया एवं संगठन विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत मारवाड़ी समाज का मार्गदर्शन किया। इन यात्राओं में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल के. जाजोदिया एवं उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल उनके साथ रहे।

**बहराइच –**

११ अक्तूबर को बहराइच में एक सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें वहाँ मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा का गठन करने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समाज के एकजुट होने से समाज को और हर व्यक्ति को शक्ति मिलती है। देश-विदेश की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि सामाजिक ताना-बाना मजबूत होने से प्रगति आसान हो जाती है। इस बैठक में बड़ी संख्या में मारवाड़ी समाज के बंधु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, उपाध्यक्ष श्री अनिल के. जाजोदिया एवं उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल का विशेष स्वागत व अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्याक्ष श्री अनिल के जाजोदिया ने बहराइच के मारवाड़ी समाज द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्यों व इस क्षेत्र में विशेष सामाजिक पहचान हेतु उनकी सराहना की। प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल ने मारवाड़ी संस्कृति की और उत्तर प्रदेश की सामाजिक परिस्थितियों की चर्चा की।

बैठक में सर्वसम्मत्ति से श्री कृष्णमोहन गोयल को अध्यक्ष एवं श्री सुनील सिंहल को मंत्री चुना गया।

कार्यक्रम का संचालन श्री निकुंज केडिया ने और धन्यवाद प्रकाश युवा मंच के अध्यक्ष श्री अनुराग अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के संयोजन में श्री संतोष जी, श्री अनिल केडिया, केडिया परिवार, अनेक समाज बंधुओं एवं मारवाड़ी युवा मंच बहराइच की सक्रिय भूमिका रही।

इस अवसर पर पयागपुर, मिहिरपुरवा, रिसिया, नानपारा आदि स्थानों के युवा मंच साथियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

**लखनऊ –**

यात्रा का अगला पड़ाव उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ रही, जहाँ समाजबंधुओं की एक विशेष बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव से ही लोक-कल्याण के लिए समर्पित रहा है। उत्तर प्रदेश में सामाजिक चेतना की बड़ी आवश्यकता है, जिससे देश को नई दिशा मिलेगी। वर्तमान दौर की जरूरतों को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजनैतिक व प्रशासनिक क्षेत्रों में मारवाड़ी समाज के बेहतर प्रतिभागिता की संभावनाओं का भी जिक्र किया और इससे पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा की। विभिन्न सामाजिक व्यवस्थाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने परंपरा को रूढ़िवादी न बनने देने पर बल दिया और कहा कि हम सबको जीवन में आवश्यक परिवर्तन और सुधार के लिए हमेशा तैयार रहना होगा।

समाजबंधु श्री भारत भूषणजी की मिल में आयोजित इस समारोह में राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों का स्थानीय समाज की ओर से हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया गया। बैठक का संयोजन श्री सुधीर गर्ग व श्री दिनेश टेकरीवाल ने किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों को लखनऊ में सक्रियता प्रदान करने का संकल्प लेते हुए सर्वसम्मति से श्री मनोज अग्रवाल को समन्वयक नियुक्त किया गया।

बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल ने की। बैठक को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल के. जाजोदिया ने भी संबोधित किया एवं संगठन व समाज में एकता की अपील की। बैठक में बड़ी संख्या में लखनऊ के मारवाड़ी सेवा व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी व समाजबंधु उपस्थित रहे।

**विधायक डॉ. नीरज बोरा को सदस्यता –**

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ की उत्तर प्रदेश यात्रा के क्रम में लखनऊ से विधायक समाजबंधु डॉ. नीरज बोरा का सम्मान व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर डॉ. बोरा ने मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्यता भी ग्रहण की। सामाजिक कार्यों व वैश्य समाज को संगठित करने में समर्पित डॉ. नीरज बोरा से विभिन्न परिस्थितियों व भविष्य की कार्य-योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. नीरज बोरा द्वारा अपने निवास पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों हेतु दोपहर भोजन का आतिथ्य भी किया गया।

**गोण्डा की यात्रा भी सम्पन्न –**

इसी क्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल के. जाजोदिया व उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल ने गोण्डा का दौरा कर समाजबंधुओं के साथ बैठक की। इस बैठक में संगठन-विस्तार व अन्य सामाजिक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समाजबंधु व युवा मंच के साथी उपस्थित रहे। बैठक का संयोजन श्री मुकेश अग्रवाल ने किया।

**पयागपुर में स्वागत –**

गोण्डा से बहराइच की सड़क यात्रा के दौरान पयागपुर में मारवाड़ी युवा मंच के साथियों व समाजबंधुओं ने राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों का स्नेहपूर्ण स्वागत व अभिनंदन किया। इसका संयोजन श्री विष्णु मित्तल ने किया।

# श्रद्धांजलि

**झारखण्ड के पुरोधा पुरुष, कर्मयोगी**
**बासुदेव प्रसाद बुधिया का निधन**

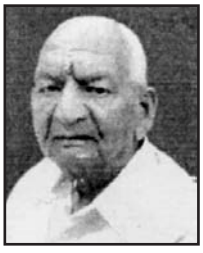

बुधवार ३ अक्टूबर २०१८ को रांची के सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री बासुदेव प्रसाद बुधिया का निधन हो गया। बासुदेव प्रसाद बुधिया झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष थे। राँची की प्रायः सभी सामाजिक संस्थाओं में बुधिया परिवार का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उनका जन्म राँची में १३ नवम्बर १९३३ को हुआ था। स्व. मदन लाल जी बुधिया के आप सुपुत्र थे। इनका विवाह शकुंतला देवी के साथ हुआ था। इनके एक पुत्री, तीन पुत्र, दो पौत्र, दो पौत्रियाँ, दो नतनी का भरा पूरा परिवार है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन श्री बुधिया के वैकुण्ठवास पर शोक प्रकट करते हुए हार्दिक पुष्पांजलि समर्पित करता है!

**प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर**

# हिमा दास पूर्वोत्तर सम्मेलन द्वारा सम्मानित

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) की ओर से धौंग एक्सप्रेस हिमा दास का अभिनंदन किया गया। लतांशील खेल मैदान में अखिल असम छात्र संघ (आसू) के तत्वावधान में आयोजित सार्वजनिक अभिनंदन समारोह में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता हिमा दास का मारवाड़ी समाज की ओर से मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया व सम्मेलन पत्रिका के संपादक किशोर कुमार काला ने राजस्थानी पगड़ी व असमिया फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया। धाविका हिमा ने भी असमिया परंपरा का प्रतीक फुलाम गामोछा व राजस्थानी परंपरा का प्रतीक साफा द्वारा एक साथ अभिनंदन किए जाने पर सम्मेलन के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अनेक समाजिक संगठनों से आए पदाधिकारियों ने भी हिमा का अभिनंदन किया।

# बरपेटारोड में पूप्रमास की प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की सभा संपन्न

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) की प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण सभा बरपेटारोड के तेरापंथ भवन में अत्यंत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सम्मेलन की बरपेटारोड व बरपेटारोड महिला शाखा के संयुक्त आतिथ्य में आयोजित इस सभा की अध्यक्षता सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने की। इससे पूर्व आगंतुक सभी सदस्यों का सम्मान पारंपरिक तिलक लगाकर व असमिया फुलाम गामोछा प्रदान कर किया गया। सभा के प्रारंभ में सम्मेलन के शीर्ष पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। मेजबान बरपेटारोड महिला शाखा की सदस्याओं ने सामूहिक सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

आयोजक शाखा के स्वागताध्यक्ष रामावतार सारडा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही सभापति ने सभा प्रारंभ की औपचारिक घोषणा की। सभासदों के स्वपरिचय के पश्चात प्रांतीय महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी ने पिछली सभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा के अगले विषय के अनुसार प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) अशोक अग्रवाल ने गत चार महीनों में प्रांतीय इकाई द्वारा संपादित कार्यों का विस्तृत विवरण सभासदों के सम्मुख प्रस्तुत किया। प्रांत के विभिन्न मंडलों के उपाध्यक्षों के अंतर्गत अशोक नागोरी (खारुपेटिया), ललित कोठारी (नगांव) व रामेश्वर तापड़िया (लखीमपुर) ने अपनी-अपनी रिपोर्ट सभा में प्रस्तुत की।

सभा में प्रत्येक घर से कम से कम एक आजीवन सदस्य बनाने का सभी समाजबंधुओं से आह्वान किया गया। दीपावली के पश्चात उन सभी शाखाओं का दौरा करने का भी निर्णय लिया गया, जहाँ पिछले कुछ महीनों से प्रांतीय पदाधिकारियों का दौरा नहीं हुआ है। सभा के दौरान प्रांतीय कोषाध्यक्ष संजय मोर ने

वर्ष २०१७-१८ के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

प्रांतीय संगठन मंत्री कृष्ण कुमार जालान ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संगठन के विषय पर जानकारी दी व शाखाओं से इसका पालन करने का आह्वान किया। प्रांतीय शोध समिति के संयोजक उमेश खंडेलिया ने अपनी समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए इस दिशा में की गई प्रगति की जानकारी सभा के समक्ष प्रस्तुत की। महिला समिति की प्रांतीय संयोजिका कंचन केजरीवाल ने महिला शाखाओं का प्रगति विवरण प्रस्तुत करते हुए सभी मंडल में कम से कम एक और महिला शाखा के गठन का प्रयास करने का आग्रह किया। तत्पश्चात अनुशासन समिति के नवनियुक्त संयोजक सुरेश बजाज ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पास अनुशासनहीनता का कोई भी मामला अब तक नहीं आया है। और कामना करता हूँ कि भविष्य में भी न आए। सभा के अगले व महत्वपूर्ण विषय एनआरसी पर चर्चा के दौरान सभापति ने इस विषय पर सम्मेलन द्वारा समाज के सभी लोगों का नाम इसमें समाहित करवाने हेतु अब तक किये गए प्रयास की विस्तृत जानकारी दी। सभासदों ने इस पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए इसी सक्रियता के साथ आगे भी कार्य करने का प्रांतीय नेतृत्व से आह्वान किया।

प्रांत की अनेक शाखाओं द्वारा भी इस दिशा में किए गए प्रयास हेतु करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया गया। इस सभा की मुख्य विशेषता यह रही कि लगभग चार घंटे तक अविराम चली इस सभा हेतु बरपेटारोड का संपूर्ण मारवाड़ी समाज तत्पर दिखाई दिया। सभा को प्रांतीय सलाहकार शिवभगवान शर्मा, नागरमल शर्मा व निर्वतमान प्रांतीय अध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल ने भी संबोधित करते हुए वर्तमान प्रांतीय कार्यकारिणी की सक्रियता पर प्रसन्नता जाहिर की और आगे भी इसे बनाए रखने का आह्वान किया। सभा के अंत में प्रांतीय इकाई की तरफ से प्रांतीय महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी व मेजबान शाखाओं की तरफ से शाखा मंत्री अनिल जैना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सभा में धेमाजी से कमल किशोर शर्मा, नगांव से ओमप्रकाश जाजोदिया व पवन गाड़ोदिया, चापरमुख से सीताराम अग्रवाल, रंगिया से राजकुमार सरावगी, गुवाहाटी से संपत मिश्रा, रीता अग्रवाल व मंजू पाटनी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सभा के दौरान बरपेटारोड व बरपेटारोड महिला शाखा के लगभग ४० सदस्य व सदस्याओं ने दोनों शाखाओं के अध्यक्ष गोपाल सारडा व सीता देवी हरलालका के नेतृत्व में उपस्थित रहकर इसे सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया। उक्त आशय की जानकारी सम्मेलन के प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया ने दी है।

# उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की द्वितीय प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक ३० सितम्बर २०१८ को अंगुल शाखा के आतिथ्य में स्थानीय प्रशांती होटल में १५० सदस्यों की उपस्थिति के मध्य बड़ी सफलता, सार्थकता एवं नई उर्जा के साथ सम्पन्न हुई। पितृपक्ष के बावजूद काफी संख्या में पूरे प्रांत के सुदूर क्षेत्रों से पधारकर सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक चर्चाओं में हिस्सा लिया। मंच पर शाखा अध्यक्ष श्री लड्डुकिशोर अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जालान, श्री जितेंद्र गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मंच, स्वागताध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष श्री रंजीत मंडोथिया, उत्कल मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल, मारवाड़ी शिक्षा विकास ट्रस्ट के चेयरमैन श्री नकुल अग्रवाल, सम्मेलन के प्रांतीय महासचिव, कोषाध्यक्ष एवं समस्त उपाध्यक्ष उपस्थित थे।

दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात शाखाध्यक्ष लड्डू किशोर ने प्रांत के विभिन्न स्थानों से आये प्रतिनिधियों का स्वागत किया। श्री जितेंद्र गुप्ता ने अंगुल में किये जाने वाले प्रकल्प की जानकारी दी। श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष (संगठन), ने सदस्यता

विस्तार पर प्रकाश डाला एवं सुनामी की तरह हुई वृद्धि के लिए समस्त प्रतिनिधियों को बधाई दी। प्रांतीय महासचिव श्री बिजय केडिया ने पिछले राऊरकेला कार्यकारिणी की कार्यवाही को सदन से पास कराया। तदुपरांत उन्होंने इस अवधि में हुए कार्यों का लेखा जोखा सदन को दिया। अंत में उन्होंने कहा कि सम्मेलन के इतिहास में यह अवधि स्वर्णाक्षरों में लिपिबद्ध होकर रहेगी।

मुख्य रूप से संगठन, सेवा प्रकल्पों तथा समाज सुधार और संस्कार पर विस्तृत चर्चा हुई। समाज के तीनों अंग मारवाड़ी सम्मेलन, महिला सम्मेलन तथा युवा मंच के आगामी संयुक्त सेवा प्रकल्प अशोक जालान फाउंडेशन के सहयोग से ज़रूरतमंदों को १०००० कम्बल वितरण की विस्तृत जानकारी प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जालान ने सदन को दी। बलांगीर में होने वाले मारवाड़ी सेवा सदन, एम्बुलेंस तथा स्वर्ग रथ कार्यक्रम की जानकारी भी रखी गई।

सम्बलपुर में मारवाड़ी छात्रावास के निर्माण एवं शिक्षा कोष के लिए सदस्यों द्वारा लाखों रुपयों के सहयोग देने की घोषणा की

गई। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री अशोक जालान ने अंगुल शाखा की ओर से होने वाले आगामी ५१ जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए एक जोड़े के वैवाहिक ख़र्च हेतु ४१००० रूपयों की सहयोग राशि प्रदान करने की भी शुरूआती घोषणा की।

उत्कल प्रांतीय युवा मंच के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल का कार्यकारिणी की ओर से अभिनन्दन किया गया।

अंत में अंगुल शाखा को भी सुन्दर व्यवस्था के लिए विशेष धन्यवाद प्रांत की ओर से दिया गया। इस कार्यकारिणी की विशेषता थी कि पहली बार विस्तृत चर्चा होकर विभिन्न विषयों पर समाज सुधारक प्रस्ताव पारित हुए। दूसरी विशेषता थी कि सभी प्रांतीय उपाध्यक्ष इस कार्यकारिणी में उपस्थित थे।

इस कार्यकारिणी को यादगार बनाने के लिए अंगुल शाखा के सभी सदस्यों ने कड़ी मेहनत की।

समाचार सार

## रानीगंज–दुर्गापुर

कुचकुचिया स्थित मेहंदी बागान के एक सभागृह में पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बांकुड़ा जिला शाखा ने माध्यमिक, उच्च माध्यमिक के विभिन्न विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया। बांकुड़ा डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य माला शर्मा, बांकुड़ा नगरपालिका के वाइस चैयरमैन दिलीप अग्रवाल, संस्था के अध्यक्ष भगवती प्रसाद बाजोरिया, सचिव नरेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष अरुण ड्रोलिया, संगठन सचिव दिनेश सर्राफ एवं अन्य उपस्थित थे। सचिव नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि विभिन्न बोर्ड के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक के १२ टॉपर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, डीएवी एवं नवोदय के प्राचार्य को उत्तरीय पहनाकर सम्मानित किया गया।

# Translating dreams into reality

*for a perpetual smile on every face*

**S. R. RUNGTA GROUP**

*Cares for the land and its people*

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

ISO 9001
Certified
ORR
TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.

So, come join the journey of success.

HARTEX

**Hartex Rubber Private Limited,** 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills, GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866

www.hartex.in

SUREKA

# Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

**Krishi Rasayan** has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

**It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.**

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

**Krishi Rasayan** specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

**Insecticides:**
**Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.**

**Fungicides:**
**Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc**

**Weedicides:**
**Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.**

**PGR's:**
**6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol**

**Bio-Products:**
**Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.**

# मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी द्वारा स्थापित शीतल पेय जल केन्द्र का उद्घाटन संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी द्वारा रविंद्रपुरी कॉलोनी में एक स्थाई शीतल पेयजल केंद्र बनाया गया है जिससे राहगीरों को साफ एवं ठंडा पानी पीने के लिए मिल सके। २ अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर इस पेयजल केंद्र का शुभारंभ कैंट क्षेत्र के विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव के कर-कमलों से संपन्न हुआ।

केंद्र का निर्माण एवं प्रयोजन मुखराम अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी के अध्यक्ष श्री श्रीनारायण खेमका ने कहा कि मानव की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। जो लोग भी दीन जनों एवं जरूरतमंदों की मदद करते हैं उन पर ईश्वर की असीम कृपा होती है।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव से ही परिश्रम और परोपकार के मूल मन्त्र को अपने जीवन में अपनाता आया है और इन्हीं को आधार बनाकर समाज सेवा में हमेशा आगे रहता है। मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी की योजना सहयोग धारा का जिक्र करते हुए श्री अग्रवाल ने बताया कि हम लोग चिकित्सा, शिक्षा, कन्या-विवाह एवं रोजगार के क्षेत्र में भी जरूरतमंदों के सेवा और सहयोग के लिए तत्पर हैं।

कार्यक्रम को संबंधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि एक अच्छे समाज का निर्माण करने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर एक दूसरे की जरूरतों का ध्यान रखना होगा। पानी जीवन के लिए अत्यंत जरुरी है। यह बहुत अच्छी बात है कि हम लोग सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के सुंदर एवं उपयोगी शीतल पेयजल केंद्र बना रहे हैं और लोगों की जरूरी सेवा कर रहे हैं। श्री सौरभ ने आगे कहा कि भारत विविधताओं का देश है और यहां के सर्वांगीण विकास के लिए यह जरूरी है कि सेवा कार्यों में जनमानस की सक्रिय सहभागिता हो। सामाजिक संस्थाओं से यह अपेक्षा भी है कि वे

समाज की जरूरतों के अनुरूप अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाएं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने शीतल पेयजल केंद्र का प्रायोजन करने हेतु मुखराम अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री सुनील अग्रवाल और उनके परिजनों का अभिनंदन भी किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल के जाजोदिया, प्रांतीय महामंत्री श्री ललित मोहन अग्रवाल, श्री आर. के. चौधरी, श्री उमा शंकर पोद्दार, श्री प्रदीप तुलस्यान, श्री दीपक बजाज, श्री संजीव शाह, श्री भरत सर्राफ, श्री गोविंद केजरीवाल, श्री अनूप सर्राफ श्री अनुज डिडवानिया, श्री सुरेश तुलस्यान, श्री अवधेश खेमका, श्री आनंद लडिया, श्री महेश चौधरी, श्री गोकुल शर्मा, श्री हेमदेव अग्रवाल, श्री रवि शंकर खंडेलवाल, श्री विजय मोदी, श्री पवन अग्रवाल, श्री दीपक माहेश्वरी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी शाखा के मंत्री श्री अनिल अग्रवाल ने किया।

Comprehensive and Exclusive

# Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

# Subscribe

100% Bargain

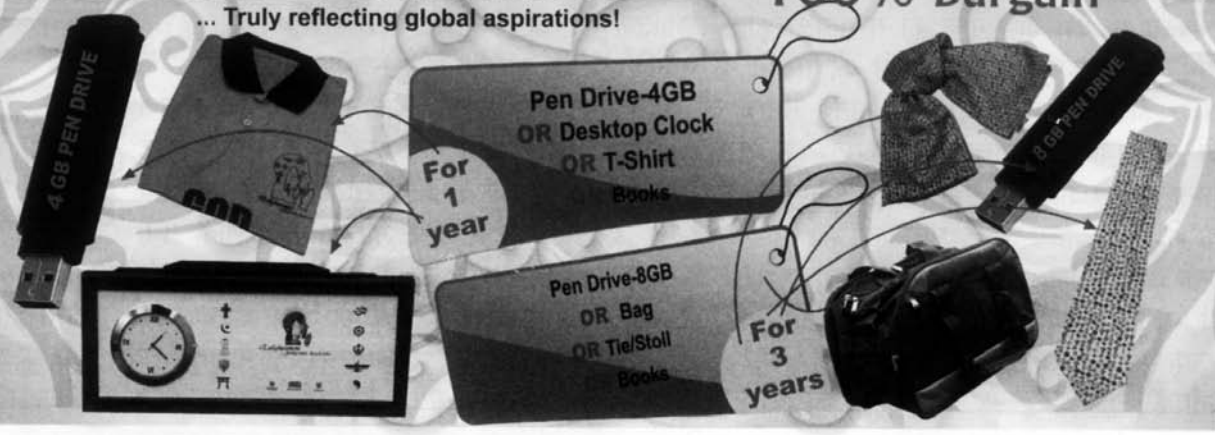


**Subscribe Business Economics :**

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

| Tick | Term | No. of Issues | Price you pay | Gift Value | Saving | US $ | UK £ | Gift Option |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ☐ | 3 Years | 72 | 1440/- | 1440/- | 1440/- | 216 | 144 | ☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 | 480/- | 480/- | 480/- | 72 | 48 | ☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ Exclusively for Students/Institutions |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS |

**For 1 year Book of choice upto ₹ 480** | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

## Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

**Mail this subscription form along with your Cheque / DD to :** Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : **subscriptions@businesseconomics.in**

**For Subscription enquiries contact : Kolkata :** Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
**New Delhi :** Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

**Lucky DRAW**

**QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :**
**1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-**

# सीकर नागरिक परिषद (सूरत) द्वारा दीपावली स्नेहमिलन समारोह में सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं प्रतिभाओं का सम्मान

२७ अक्टूबर २०१८ रविवार शाम को वीआईपी रोड स्थित श्याम मंदिर में सीकर नागरिक परिषद (सूरत) द्वारा दीपावली स्नेहमिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सीकर जिला के सूरत प्रवासियों से खचाखच भरे सभागार में आगंतुक अतिथियों का स्वागत परिषद परिवार की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा राजस्थान के परम्परागत स्वागत लोक गीतों से किया गया।

राजस्थानी सांस्कृतिक की एक से बढ़कर एक भव्य प्रस्तुतियाँ दी गयी। सीकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी प्रतिभाओं का सम्मान प्रस्तुति पत्र एवं सिल्वर मेडल देकर समारोह में पधारे गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

सीकर जिले को गौरवान्वित करने वाले सीकर के विशिष्ट सामाजिक अग्रणियों का मंच द्वारा भव्य सम्मान किया गया। जिनका सम्मान किया गया श्री राजेश भारूका राष्ट्रीय मंत्री अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, श्री बजरंग गारोदिया अध्यक्ष, अग्रवाल समाज ट्रस्ट, सूरत, श्री विनोद अग्रवाल अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, श्री सुरेश काबरा माहेश्वरी समाज, श्री नंदकिशोर जैन, श्री महेश बियानी, श्री गोकुल चंद बजाज, श्री इन्द्र अग्रवाल, श्री दिनेश शर्मा, श्री रमेश चोकडिका, श्री चिरंजीलाल अग्रवाल आदि है। इस अवसर पर युगल भाग्यशाली

ड्रा का भी आयोजन किया गया। श्री रामजी बिदावतका ने स्वागत उद्‌बोधन में सीकर भवन सूरत में बनाने का प्रस्ताव सदन में रखा। गोकुल चंद बजाज ने संस्था की गतिविधियों एवं आगामी प्रकल्पों की जानकारी दी। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, सीकर परिषद के सलाहकार एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष, समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री जय प्रकाश अग्रवाल (रचना ग्रुप), श्री कमल माथुर एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे एवं अपने प्रेरणादायी उद्‌बोधन से सभा को सम्बोधित किया।

# स्व. सेठिया सुजान-गौरव से सम्मानित

सुजानगढ़ क्षेत्रीय नागरिक समिति द्वारा आयोजित सुजानगढ़ महोत्सव के दौरान राजस्थान और भारत ही नहीं समस्त विश्व के मूर्धन्य साहित्यकार, राजस्थानी भाषा और संस्कृति के अमर संरक्षक पद्मश्री एवं मूर्तिदेवी पुरस्कार से सम्मानित स्व. कन्हैया लाल सेठिया को सुजान गौरव से सम्मानित किया गया। आयोजन स्थल पर पुरस्कार ग्रहण करती हुई डॉ. जयश्री सेठिया (अध्यक्ष हिंदी विभाग, सोना देवी सेठिया स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय सुजानगढ़) एवं श्री हाजी शमशुद्दीन जी स्नेही।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

*"Educate Morally & Technically"* — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%  Quality Education at most affordable fees

## Hospitality

### Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

## Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

## *Assistance for placement*

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

## Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

## Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

## Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

## Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

# IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

**Over ₹1,50,000 crores**
worth of disbursements made.

**Over ₹40,000 crores**
worth of assets under management.

**Over 72,000**
entrepreneurs empowered.

**Only 1 name**
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

**Srei Infrastructure Finance Limited**
**Srei Equipment Finance Limited**

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, SMS 'PLY' to 54646 or call us on 1800-2000-440 or give a missed call on 080-1000-5555
E-mail: kolkata@centuryply.com | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: www.centuryply.com

# गाय माता क्यों, कामधेनु क्यों?

"वेल मि. ह्यूमैन, तुम्हें इन किताबों से क्या कभी भी छुट्टी नहीं मिलती? "ओह डॉक्टर!" उठकर उस अमेरिकन ने मनीन्द्र बाबू से हाथ मिलाया। मैं आज बड़ी उलझन में पड़ गया हूँ। अच्छा, पहले चाय तो पी लो, खानसामा, दो कप चाय!

खानसामा उस दिन के वार्त्तालाप को याद कर रहा था। ढेरों पुस्तकें बिखरी पड़ी थीं। कुछ अंग्रेजी की थीं, कुछ संस्कृत की तथा कुछ अन्य भाषाओं की। मेज के खाली कोने पर खानसामा ने चाय के प्याले रख दिए। 'आप तो प्रसिद्ध पशु-विशेषज्ञ हैं'। ह्यूमैन ने चाय पीते-पीते कहा "भारतीय गौ की नस्ल तो बेहद गिर गई है। यद्यपि वह यहीं का पशु है।" "मैंने प्रारंभ में ही कहा था" डॉक्टर ने वैसे ही कहा "आपको यहाँ कुछ नहीं मिलेगा। अमेरिकन गायों की तुलना यहाँ से नहीं की जा सकती।"

ह्यूमेन साहब एक अमेरिकन पशु विशेषज्ञ थे और गायों की नस्ल सुधारने के सन्दर्भ में अनेक देशों में उन्होंने भ्रमण किया था। उनका कहना था कि गाय भारतीय पशु है और किसी न किसी प्रकार यहीं से संसार में फैला है। इसी विश्वास ने उन्हें भारत की ओर आकृष्ट किया था। यहाँ आकर एक भारतीय-विशेषज्ञ से उन्होंने परिचय भी कर लिया।

'लेकिन प्रारंभ में यहाँ की नस्ल ऐसी नहीं थी।' वह गम्भीर हो गए "अच्छा तुम्हारी किताबों में यह कामधेनु शब्द बार-बार आया है। इसे तुम जानते हो?" उनकी आँखें सामने बैठे व्यक्ति पर स्थिर हो गई।

'ओह!' 'तो यह है आपकी उलझन?' हँसी के बीच जवाब उभरा। 'आप पुरानी कहानियों के चक्कर में पड़ गए हैं। इनमें कोई तथ्य नहीं है।' आधुनिक विचारों के कारण ये भारतीय सज्जन ऐसी बातों पर ध्यान देना व्यर्थ समझते थे। 'मैं इसे ऐसा नहीं समझता' वह अमेरिकन विशेषज्ञ उनकी उपेक्षा से तनिक भी प्रभावित नहीं हुआ। उसका मुख और गम्भीर हो गया, चाय का प्याला मेज पर रखकर वह सीधा बैठ गया। "कामधेनु का शब्दार्थ तो हुआ चाहे जब और जितनी बार इच्छा हो उतनी बार दुही जा सकने वाली। लेकिन किताबों में तो दूसरा ही कुछ लिखा है। "आपका संस्कृत ज्ञान प्रशंसनीय है।" भारतीय को इस अमेरिकन विशेषज्ञ पर हँसी आ रही थी। वह क्यों मूर्खतापूर्ण बातों पर विश्वास करने जा रहा है।' फिर भी मैं आपको ऐसी गप्पों में अपना अमूल्य समय नष्ट करने की सलाह नहीं दूँगा।' "मैं प्रयोग करूँगा।" उसे पक्की धुन थी। "मैं ठीक तरह से तुम्हारी किताबों का अक्षर-अक्षर पालन करके प्रयोग करूँगा। मुझे एक, अच्छी गाय ला दो। ऐसी गाय जो चाहे जब दुही जा सके और देखो वह कपिला हो बस!" और उसी दिन उन्हें गाय मिल गई।

लम्बी रजतवर्ण दाढ़ी तथा श्वेत दीर्घ केश वाले खानसामा ने अपने अमेरिकन साहब की बातों को सुनते हुए उनकी ओर कुछ इस तरह देखा जैसे अब वह किसी गम्भीर रहस्य पर से पर्दा उठाने वाला हो। सुनने वाले की आखों में भी गहरी जिज्ञासा की चमक थी। स्वाभाविक भी था एक अमेरिकन पशु विशेषज्ञ भारत आकर यहाँ की शास्त्रोक्त बातों पर प्रयोग करे, अपना जीवन खपाकर उनके सत्यापन में जुट जाए इसका विवरण कौन नहीं जानना चाहेगा? उस बूढ़े मुसलमान खानसामा ने उनकी जिज्ञासा को भाँपकर कहना शुरू किया।

तो अपने प्रयोग के दौरान एक-दो दिन में ही साहब को पता चल गया कि आगरे जैसे बड़े शहर में रहकर वे प्रयोग नहीं कर सकते। पन्द्रह मील दूर यमुना किनारे उन्होंने एक ढाक का जंगल खरीद लिया। वहीं एक छोटा बंगला बनवा लिया और उस गाय को लेकर आ गए।

सिंचित जंगल घास से भर जाना ही था। चारों ओर काँटेदार तार लगा दिए गए थे। बंगले पर साहब गाय, उसकी बछड़ी और मुझ खानसामा को छोड़कर कोई प्राणी नहीं रहता था।

पहले ही दिन मुझे आश्चर्य हुआ जब साहब एक छोटी लकड़ी में रूमाल बाँधकर सबेरे गाय चराने निकले। "यह मेज को झाड़ने के लिए तो ठीक था पर गाय चराने के लिए....। फिर साहब एक चरवाहा क्यों नहीं रख लेते? लेकिन मैं जानता था कि साहब झक्की है।

दो महीने से ह्यूमैन अपने को तैयार कर रहे थे। अनेक उलट-फेर उन्होंने अपने भोजन तथा रहन-सहन में किए थे। चाय वे छोड़ चुके थे और धूप में टहलने का अभ्यास भी कर चले थे।

घिरे हुए जंगल में साहब अपने झाड़न से गाय के ऊपर बैठने वाले मक्खी-मच्छर उड़ाते हुए उसके पीछे-पीछे घूमते रहे। कहीं रूकने की जरूरत नहीं थी। बड़ी नालियों में स्वच्छ जल भरा था। दोपहर में आदेश के अनुसार खानसामा वहीं भोजन दे गया। पहले दिन भूमि पर बैठ कर साहब ने भोजन किया। पतलून छूट गई। उससे जमीन पर बैठने में अड़चन होती थी। हाफ पैण्ट और हाफ कमीज बस! हैट धूप से बचाने को चाहिए ही। काँटा-चम्मच छोड़कर उन्होंने हाथ से भोजन करना प्रारम्भ किया। मैं शहर जाऊँ तो रोटी पहुँचावे कौन? केक, बिस्कुट के बदले टिक्कर ठोंके जाने लगे।

'साहब क्या पागल हो गया है?' मैं कभी-कभी सोचता, वह सुबह गाय के पैर धोकर वह गन्दा पानी मुँह में डालता है। हिन्दुओं की तरह फूल-रोली से उसकी पूजा करता है। शाम को गाय के पास चिराग रात भर के लिए जलाता है। जैसे गाय कोई बच्चा है जो अँधेरे में डर जाएगी। रात को चटाई डालकर वहीं जमीन पर सोता है।' दिन भर अकेले रहते-रहते मै ऊब जाता था।

वैसे साहब मुझे बहुत भला लगता। 'मैं जैसी रोटी बनाता वैसी खा लेता। गाय के पास झाड़ू खुद देता। कमरे में भी झाड़ू न दिया हो तो अपने आप देने लगता। तनख्वाह ठीक पहली

को हाथ पर रख देता। सोचता खुदा उसका पागलपन दूर करे। कभी-कभी मुझे लगता जरूर इस गाय पर कोई जिन्न सवार है और उसी ने साहब को पागल बना दिया है। कई बार मैं साहब की आँख बचाकर कलमा पढ़कर गाय पर फूँक मार चुका था।'

'आज मैं देखूँगा कि जंगल में साहब दिन भर क्या करता है। लगभग छः महीने बाद मैंने एक दिन निश्चय किया और उस दिन साहब को रोटी देकर बंगले नहीं लौटा। झाड़ियों में छिपकर बैठा रहा। गाय आराम से एक ढाक के नीचे बैठी थी। उसकी बछड़ी इधर-उधर घूम रही थी और साहब उसके सामने घुटना के बल बैठा हुआ था। उसने हाथ जोड़ रखे थे, प्रार्थना कर रहा था, और बेतरह रो रहा था।

मैं बुरी तरह चीख पड़ा। यह क्या? गाय आदमी जैसी साफ अँग्रेजी बोल रही थी। मैं डर कर बेहोश हो गया। पता नहीं कब तक वहाँ पड़ा रहा। जब आखें खुलीं तो बँगले में पलंग पर लेट ा हुआ था और मेरा साहब सामने खड़ा मुसकरा रहा था। अपनी बात समाप्त करते हुए वे मुसलमान सज्जन भाव से अभिभूत हो गए। पास के नीम के पेड़ के पास बैठी पागुर कर रही एक दुग्धोज्वल हृष्ट-पुष्ट गौ की तरफ इशारा करके बोले यह उसी कामधेनु की बछड़ी है। जब से साहब का इन्तकाल हुआ तब से मैं इसकी सेवा कर रहा हूँ।

एक ईसाई और दूसरा मुसलमान, इनके द्वारा की गई गौ सेवा ने उन्हें अनेकानेक विचारों और भावों की उन्मत तंरगों से घेर दिया। राजा दिलीप की गौ-सेवा के दृश्य उनकी आखों के सामने उभरने लगे। थोड़ा हिचकते हुए उन्होंने सामने खड़े वृद्ध सज्जन से पूछा 'आप तो मुसलमान हैं आपके धर्म में तो कुर्बानी....।'

'उस पाक परवरदिगार के लिए माफ करो' बड़ी व्याकुलता से उन्होंने इन खादीधारी सज्जन को रोक दिया। 'किसी को कोई हक नहीं कि कुरान शरीफ को बदनाम करे और हजरत साहब पर ऐसे दोष मढ़े।' वाक्य समाप्त करते-करते उनकी आखें भर आयीं। सज्जन की भावमुद्रा देखकर वे पश्चाताप के स्वर में बोले, "मेरा इरादा आपको कष्ट देने का नहीं था।" ह्यूमैन के प्रयोग, इन वृद्ध सज्जन की अनुभूतियाँ उन्हें मथने लगीं, सोचने लगे, जिनकी संस्कृति ने गौ को माँ कहकर पूजनीय माना वे घरों में बाँधकर गाय को चारा-पानी के लिए तरसाने वाले नहीं हैं। दूध की आखिरी बूँद तक दुहकर, गाय के बच्चे को मरने के लिए छोड़ने वाले ग्वाले भी अपने को हिन्दू कह गायों के मूक अभिशाप बनकर हिन्दू जाति को लग गए हैं, वह अपना कर्मफल भोग रही है। उनके मन में इसका प्रायश्चित स्वरूप कुछ करने की कसक उठी।

वे वृद्ध सज्जन को प्रणाम करके चलने लगे। पर उन्होंने रोकते हुए कहा दूध तो पीते जाओ। वृद्ध उठ खड़े हुए। वहाँ नन्हा सा ढाक था, जिसके पत्ते तोड़कर उन्होंने दोना बनाया, और बिना किसी उत्तर की प्रतीक्षा किए दोना उनके हाथ में रख दिया।

गाय नीम के नीचे खड़ी हो गई थी। 'तुम थनों के नीचे बैठ जाओ।' वे गाय के सामने घुटने टेक कर बैठ चुके थे, अम्मा, अपने घर ये मेहमान आये हैं।' वह आश्चर्य चकित रह गए। गाय के चारों थनों से दूध की धारा बहने लगी थी। दोना बराबर भरता रहा और वह पीते रहे उतना स्वादिष्ट दूध उन्होंने जीवन में कभी नहीं पिया था।

'सचमुच कामधेनु पाई है आपने। पर क्या आपकी कामधेनु ने भी आपको साहब की तरह.....।

बात को बीच में रोककर वे कहने लगे मुझ में उतनी श्रद्धा कहाँ है? मैं वैसी सेवा कहाँ कर पाता हूँ। वह तो साहब ही थे! थोड़ी देर रुककर वे बोले "उन्हें कामधेनु ने खुदा का जलवा तक दिखाया और वह खुद उन्हें लेकर मालिक के दरबार चली गयी।" कहने वाले की आँखों में अनुभूति की गहन चमक थी जो सुनने वाले के अन्तर्मन को बेधती हुई चली गई।

वृन्दावन की इस अनुभूति ने उनके जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन कर डाले। वहाँ से लौटकर उन्होंने अक्टूबर १९४१ में वर्धा में गौ सेवा संघ की स्थापना की। देश ने इस गौ-सेवा के अग्रज को जमना लाल बजाज के नाम से जाना। लेकिन वह स्वयं अकेले नाम यश से दूर, अपने द्वारा स्थापित गौ-पुरी में निवास कर भारतीय संस्कृति में वर्णित गौ-महिमा का जीवन्त साक्षात्कार करते रहे। प्रयोगधर्मी और सत्य की उपासक देव-संस्कृति के तत्व आज भी जीवन्त हैं। पर इनके साक्षात्कार के लिए सत्य का अन्वेषण चाहिए। सत्यान्वेषण में तत्पर परम प्रज्ञा आज भी भौतिक की पक्ष में छुपे दैनिक और आध्यात्मिक रहस्यों का जागरण करने में सक्षम है।

---

## दीवाली की रा राम सा !

दिवाली की राम राम सा!
बैयां तों ईं महँगाई में
जीणो होर् यो है हराम सा!
दीवाली की राम राम सा!

एक तरफ तो भोला ढाला
टाबर घाल रया है घाणी
घाबा नुवाँ, पटाखा ताणी
घायल है ममता मरज्याणी

और इक तरप अरबाँ रिपिया
सरा पटेल की मूरत खागी
घर ग्रिस्थी कैयाँ चालै आ
के जाणै मोदी बैरागी

बाकी है सब धूमधाम सा!
दीवाली की राम राम सा!

**– पं. ताऊ शेखावाटी**
सवाई माधोपुर (राजस्थान)
मो. ९४१४२७०३३६

प्रेरक प्रसंग

## भगवान को धन्यवाद

एक बार, एक लड़का अपने स्कूल की फीस भरने के लिए, घर-घर जा कर सामान बेचा करता था। एक दिन उसका कोई सामान नहीं बिका और उसे भूख भी लग रही थी। उसने तय किया कि, अब वह जिस भी दरवाजे पर जायेगा, उससे खाना माँग लेगा।

एक घर पर पहुँचा। एक लड़की ने दरवाजा खोला, जिसे देखकर वह घबरा गया, और उसने पानी माँग लिया। लड़की ने भाँप लिया था कि वह भूखा है, इसलिए वह एक बड़ा गिलास दूध का ले आई। लड़के ने धीरे-धीरे दूध पी लिया।

'कितने पैसे दूँ?' लड़के ने पूछा।

'पैसे किस बात के?' लड़की ने जबाब में कहा "मेरी माँ ने मुझे सिखाया है कि, जब भी किसी पर दया करो तो उसके पैसे नहीं लेने चाहिए।"

"तो फिर मैं अपको दिल से धन्यवाद देता हूँ।" जैसे ही उस लड़के ने वह घर छोड़ा, उसे न केवल शारीरिक तौर पर शक्ति भी मिल चुकी थी, बल्कि उसका भगवान् और आदमी पर भरोसा और भी बढ़ गया था। और उसने अपनी पढ़ाई पूरी की। विदेश में एक बड़ा डॉक्टर बन गया।

सालों बाद वह लड़की गंभीर रूप से बीमार पड़ गयी। स्थानीय डॉक्टर ने उसे शहर के बड़े अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया। विशेषज्ञ डॉक्टर होवाई कदेल्ली को मरीज देखने के लिए बुलाया गया, जैसे ही उसने लड़की के कस्बे का नाम सुना, उसकी आँखों में चमक आ गयी। वह एकदम सीट से उठा और उस लड़की के कमरे में गया। उसने उस लड़की को देखा, एकदम पहचान लिया और तय कर लिया कि वह उसकी जान बचाने के लिए जमीन-आसमान एक कर देगा। उसकी मेहनत और लगन रंग लायी और उस लड़की की जान बच गयी, डॉक्ट र ने अस्पताल के ऑफिस में जा कर उस लड़की के इलाज का बिल बनाया। उस बिल के कोने में एक नोट लिखा और उसे उस लड़की के पास भिजवा दिया।

लड़की बिल का लिफाफा देखकर घबरा गयी।

उसे मालूम था कि वह बीमारी से तो बच गयी है, लेकिन बिल की रकम जरूर उसकी जान ले लेगी। फिर भी उसने धीरे से बिल खोला, रकम को देखा और फिर अचानक उसकी नज़र बिल के कोने में पेन से लिखे नोट पर गयी। लिखा था, एक गिलास दूध द्वारा इस बिल का भुगतान किया जा चुका है। नीचे उस नेक डॉक्टर लोवार्ड केल्ली के हस्ताक्षर थे।

खुशी और अचम्भे से उस लड़की के गालों पर आँसू ट पक पड़े। उसने ऊपर की ओर दोनों हाथ उठा कर कहा – "हे भगवान...।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद... आपका प्यार इंसानों के दिलों और हाथों के द्वारा न जाने कहाँ-कहाँ फैल चुका है।"

## हास्य-व्यंग्य

कोई भी बाहर का डॉक्टर
राजस्थान में आकर,
डॉक्टर की दुकान,
नहीं खोल सकता, क्यों?
क्योंकि राजस्थान के मरीज की बिमारी,
राजस्थान के डॉक्टर के अलावा
कोई समझ ही नहीं सकता.
जैसे - जांण कियाँ कियाँ लागै है
जी दुःख पावै हैं, डील टूटे है
माथो मैं भचीड़ सो लागै हैं
पेट मैं घल्ड घल्ड हुअ हैं
धाँसी आवै है, दाँत कुळ है
गोडा दुख है, होब्ल्डा आवै है
हबड़क सी आवे है, भुवालीसी आवै है
शरीर लाल तातो हुग्यो हैं
कान में सांय सांय होरी है
माथो भन्नावै है
कालज्या में बळत सी लागे
जी सोरो कोनी
गलदवायी सी हुरी है
ऐसी-ऐसी बीमारी सुनकर
अच्छे अच्छे MBBS डॉक्टर को
अपनी डिग्री पर शक हो जाता है
कि कहीं ये Chapter छूट तो नहीं गया था।

## मात्री भासा राजस्थानी

म्हारी भासा राजस्थानी।
इणरी सोरम घणी सुहाणी।।
आठ कोड़ कंठा री भासा
इणमें निज भनिस रा वासा
सुरसैरी कंठा में बोलै
जिणमें मिनख-खेत्र रा वासा।
इणरो नांव बड़ो मरू वाणी
इण मे प्राण भरया है म्हारा
मुरधर रास भरया है सारा
इणमें जीवण-इतिहास भरयो है
आखो मुरधर-अभमान भरयो है
इणरो नांव बडो जीणवाणी
मुरधर बोलै राजस्थानी
माखर बोलै रीत पुराणी
इणरो मरूवण रूप रुपाळो
इणरी कीरन धणी गरवांणी
आ है मिनरवां गळै सुहाणी...
इणमें धरती राचनै बोली
साथण बात मांयली रवोली
इणमें गाया गीत धिरांणी
कुदरत देख मन में बोली.....
गजवण बोले बात निजरांणी...
म्हारो हिदड़ो इणमें बोलै
साथण खोल का ळजो बोलै
इणमें...कंठ कमेड़ी ..... खोलै
धरती भाव आपरा तोलै
इणरी राज वड़ी रीझाणी
मात्री भारत राजस्थानी।

**– बी. एल. माळी अशांत**
राजस्थान

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री राजेश खेतान**<br>मे. खेतान सेल्स कं., ७७,<br>एन.एस. रोड, कोलकाता | **श्री संजय शर्मा**<br>१८, श्री सत्यनारायण टेम्पल<br>रोड, बाँधाघाट, सल्किया,<br>हवड़ा. पं.बं. | **श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल**<br>१५९, रविन्द्र सरणी,<br>पाँचवा तल, रुम नं.-५बी,<br>कोलकाता | **श्री दिलीप कुमार अग्रवाल**<br>१५९, रविन्द्र सरणी,<br>पाँचवा तल, रुम नं.-५बी,<br>कोलकाता | **श्री राधा कांत खण्डेलवाल**<br>मे. आर.के. खण्डेलवाल<br>एण्ड कं., ६, ओल्ड पोस्ट<br>आफिस स्ट्रीट, कोलकाता |
| **श्री अशोक कुमार गुप्ता**<br>हिन्द अपार्टमेंट, चौथा तल<br>रुम नं.-४०३,५४५, जी.टी.<br>रोड साउथ, हवड़ा, पं,बं. | **श्री दीपक कुमार खोवाला**<br>एबी-५६, साल्ट लेक सिटी<br>सेक्टर- I, कोलकाता | **सुश्री अनुराधा बंसल**<br>२८/२, टैगोर कास्टल स्ट्रीट<br>बिलोटिक भवन, कोलकाता | **श्री मनीष कुमार सराफ**<br>२४ए, सी.आई.टी. रोड,<br>स्कीम- VI एम,<br>तीसरा तल, कोलकाता | **श्री सुरेश कुमार बंका**<br>२२७, ए.जी.सी. बोस रोड,<br>आनंदलोक बिल्डिंग,ब्लाक-<br>ए, तीसरा तल, कोलकाता |
| **श्री अनिल कुमार गोदोदिया**<br>मे. भारत पेट्रो सेन्टर<br>४१ए, ए.जे.सी. बोस रोड,<br>कोलकाता | **श्री नंद लाल लोहिया**<br>३३, भूपेन बोस एवेन्यु<br>कोलकाता | **श्री श्याम सुन्दर ढ़ेलिया**<br>२२७, ए.जे.सी. बोस रोड<br>आनंदलोक बिल्डिंग, कोलकाता | **श्री अरुण प्रकाश मल्लावत**<br>९५बी, चित्तरंजन एवेन्यु<br>कोलकाता | **श्री विनय कुमार सराफ**<br>९५, फियर्स लेन<br>कोलकाता |
| **श्री अजय गर्ग**<br>२३२, ब्लाक-बी, भागवत<br>बस्ती सोगरी, जमशेदपुर,<br>झारखण्ड | **श्री महावीर अग्रवाल**<br>हाउस नं.-१३४०बी,<br>ब्लाक-बी, नया लाईन<br>सोनारी, झारखंड | **श्री अनिता अग्रवाल**<br>११८, ब्लाक-बी, सोनारी<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल**<br>१२६६, शाप लाईन<br>सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड | **श्री बजरंग लाल बहेती**<br>रिवर्स मीट रोड, पुराना<br>सोनारी, जमशेदपुर,<br>झारखंड |
| **श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल**<br>१३६, नार्थ ले आउट<br>सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड | **श्री सत्यनारायण अग्रवाल**<br>हाउस नं.-१०६३,<br>कुम्होर पाड़ा, ब्लाक-बी,<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री अजय कुमार हारुपका**<br>शॉप नं-५, अतिथी<br>काम्पलेक्स कंदमा,<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री संतोष अग्रवाल**<br>हाउस नं.-२, अर्जुन<br>पथ कदमाँ, जमशेदपुर,<br>झारखंड | **श्री महेश कुमार गुप्ता**<br>हाउस नं.-२०८, ब्लाक-बी<br>सोनारी, जमशेदपुर,<br>झारखंड |
| **श्री विष्णु प्रसाद शर्मा**<br>मे. संतोष मेडिकल, सोनारी,<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री भवानी शंकर**<br>१०६२बी/बी, कुम्हारपाड़ा<br>सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड | **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>फ्लॉट नं.-५७११/ए<br>सी/२८, सोनारी,<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री देवेन्द्र शर्मा**<br>राम टेकरी रोड, चौक बाजार<br>जुगसलाई, जमशेदपुर,<br>झारखंड | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>एच नं.-२२३, ब्लाक-बी<br>सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड |
| **श्री विवेक अग्रवाल**<br>मे. विवेक ट्रेडर्स, लक्ष्मी<br>मार्केट, देवघर, झारखंड | **श्री राजीव कुमार सतनालिवाला**<br>सी. पी. ड्रोलिया रोड,<br>देवघर, झारखंड | **श्री संजय कुमार बसाईवाला**<br>मे. श्री श्याम ट्रेडर्स<br>दुमका रोड, देवघर, झारखंड | **श्री दिनेश कुमार पोद्दार**<br>मे. तिरुपती इंटरप्राइजेज<br>देवघर, झारखंड | **श्री गणेश कुमार भालोटिया**<br>हाथी पहाड़ रोड<br>देवघर, झारखंड |
| **श्री विवेक खेतान**<br>शिवपुरी रोड, देवघर<br>झारखंड | **श्री राकेश सिंघानिया**<br>मे. जे. डी. ट्रेडर्स<br>देवघर, झारखंड | **डॉ. अमित कुमार**<br>मे. मुस्कान डेन्टल केयर<br>एण्ड अथोडेंटिस्ट सेन्टर<br>देवघर, झारखंड | **श्री राज कुमार शर्मा**<br>असम एक्सेस रोड<br>बी. देवघर, झारखंड | **श्री श्याम सुन्दर धानुका**<br>मे. धानुका स्टोर<br>बी. देवघर, झारखंड |
| **श्री जगदीश प्रसाद मुँधड़ा**<br>मे. उमाशंकर सिंदूर कं.,<br>देव संघ, देवघर झारखंड | **श्री विष्णु कुमार रुँगटा**<br>मे. संजय ट्रेडिंग कं.<br>देवघर, झारखंड | **श्री पंकज सुल्तानियाँ**<br>सी. पी. ड्रोलिया रोड<br>गणेश मार्केट, देवघर, झारखंड | **श्री अशोक कुमार मेहरिया**<br>मे. ए. के. इंटरप्राइजेज<br>देवघर, झारखंड | **श्री पवन कुमार कोटरीवाल**<br>मे. अग्रवाल एजेन्सी<br>बी. देवघर, झारखंड |
| **श्री पवन केजरीवाल**<br>द्वारा-शारदा साईकल्स<br>कार्पोरेशन, देवघर, झारखंड | **श्री अशोक मोदी**<br>मे. शुभ-लाभ<br>देवघर, झारखंड | **श्री बासु देव सराफ**<br>मे. ब्युटि सेन्टर<br>देवघर, झारखंड | **श्री राहुल मोदी**<br>एस. एस. एम. जालान<br>रोड, देवघर, झारखंड | **श्री घनश्याम अग्रवाल**<br>१७, बंगला अवंती गार्डेन<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ |
| **श्री जगदीश प्रसाद झँवर**<br>मे. जयश्री मर्लिन<br>पंडारी, छत्तीसगढ़ | **श्री कैलाश मित्तल**<br>९, नार्थ एवेन्यु, रायपुर<br>छत्तीसगढ़ | **श्री महेश बिड़ला**<br>सी-३४७, समता कालोनी<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री राधेश्याम अग्रवाल**<br>हाउस नं.-५१९ई,<br>समता कालोनी, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री प्रवीण सिंघानिया**<br>हाउस नं.-५२५/५२६<br>समता कालोनी, रायपुर<br>छत्तीसगढ़ |
| **श्री अशोक गोयल**<br>हाउस नं.-४५२/४५३<br>समता कालोनी, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री राधेश्याम अग्रवाल**<br>गीता कुंज-ई-४९६/४९७<br>समता कालोनी, रायपुर<br>छत्तीसगढ़ | **श्री संजय शर्मा**<br>हिशीकार भवन, रामकुंड<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री सुनील कुमार लाठ**<br>बी-८, सेक्टर-५, देवेन्द्र नगर<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री संजय कुमार संघी**<br>एच. नं.-२२, न्यु मीरा दतर,<br>समता कालोनी, रायपुर<br>छत्तीसगढ़ |
| **श्री गिरधारी गोपाल अग्रवाल**<br>डी-२१९, सेक्टर-४<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया**<br>श्री कुंज-४६५बी,<br>समता कालोनी, रायपुर<br>छत्तीसगढ़ | **श्री सत्यनारायण सिंघानिया**<br>३०६, समता कालोनी<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री रवि सिंघानिया**<br>मे. सिंघानिया शोरटेक्स प्रा.<br>लि., रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री रुप कुमार अग्रवाल**<br>२७०, समता कालोनी<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री नारायण सिंघानिया**<br>११६, के एन कम्पलेक्स<br>नेमीचंद गली, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री शिव अग्रवाल**<br>२८९, आर्शिवाद समता<br>कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री गोविन्दराम अग्रवाल**<br>२८९, नार्थ एवेन्यु<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री नारायण अग्रवाल**<br>खेमका मार्केटिंग, फाफाडीह<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री खजांचीलाल अग्रवाल**<br>ए-३५, गायत्री नगर<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ |
| **श्री अमित गोयल**<br>१४२, लास विस्ता, वि.<br>आई.पी. रोड़, अमलीडीह,<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री गोपाल कुमार अग्रवाल**<br>सी-१/१२, सेक्टर-२, देवेन्द्र<br>नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री सुनील अग्रवाल**<br>एप-१०२, कूल होम्स मोवा<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>डी-३४, वालफार्ट सिटी<br>रिंग रोड नं.-१, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री पवन अग्रवाल**<br>हाउस नं.-३३९, समता<br>कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ |
| **श्री योगेश कुमार अग्रवाल**<br>५९सी, समता कालोनी<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री प्रवेश अग्रवाल**<br>हीरापुर, रायपुर<br>छत्तीसगढ़ | **श्री रोशन लाल अग्रवाल**<br>४३८, अपो-वाटर टैंक<br>समता कालोनी, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री विकाश राईका**<br>मे. राईका इस्पात उद्योग<br>रिंग रोड-२, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री अभिषेक अग्रवाल**<br>२३३, समता कालोनी,<br>गायत्री मंदीर के पिछे,<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ |
| **श्री राजेश अग्रवाल**<br>डी-२३०, सेक्टर-४, देवेन्द्र<br>नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री भजन लाल अग्रवाल**<br>पी-२, फरिस्ता काम्पलेक्स<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री घनश्याम अग्रवाल**<br>१७३, समता कालोनी<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री नरेश केडिया**<br>३२०, रामकृपा राम किन्नर<br>द्वार, रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री हेमन्त जैन**<br>२१, समता कालोनी<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ |
| **श्री प्रमोद अग्रवाल**<br>ई१३७-१३८, समता<br>कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री किशन अग्रवाल**<br>जवाहर नगर, अपो-देना<br>बैंक, रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री सुरेश कुमार चौधरी**<br>लेकनगर, महादेव घाट रोड,<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ | **श्री राजेश मित्तल**<br>सी-३२२, मैत्री नगर<br>महादेव घाट रोड, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री प्रतीक अग्रवाल**<br>जे-११, अनुपम नगर<br>मस्जिद के नजदीक,<br>रायपुर, छत्तीसगढ़ |
| **श्री दीपक सिंघल**<br>सिंघल हाउस, ६५३/३,<br>तलब मार्ग, रायपुर,<br>छत्तीसगढ़ | **श्री महावीर सोमानी**<br>मे. ओम चेम्बर, चास,<br>बोकारो स्टील सिटी, झारखंड | **श्री दीपक कुमार अग्रवाल**<br>मे. दीपक उद्योग, चन्द्र<br>सिनेमा रोड, चास, बोकारो,<br>झारखंड | **श्री मनीष कुमार खेमका**<br>मे. न्यु ग्रेट इंडिया होजियरी<br>बोकारो, झारखंड | **श्री अभय कुमार बेगवानी**<br>जैन मार्शल, बाईपास रोड<br>चास, बोकारो, झारखंड |
| **श्री मुरारी लाल खेमका**<br>मे. ग्रेट इंडिया हाजियरी<br>बाई पास रोड, चास,<br>बोकारो, झारखंड | **श्री नितीन खण्डेलवाल**<br>मे. प्रेम इण्डस्ट्रीज<br>बाई पास रोड, चास, बोकारो,<br>झारखंड | **श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल**<br>मेन रोड, चास, बोकारो<br>झारखंड | **श्री राजेश चौधरी**<br>मे. आर. के. इलेक्ट्रोनिक्स<br>बाई पास रोड, चास,<br>बोकारो, झारखंड | **श्री नंद किशोर शर्मा**<br>विवेकानंद कालोनी<br>बाई पास रोड, देवघर,<br>झारखंड |
| **श्री ललित कुमार गुटगुटिया**<br>मे. ज्योती मोटर्स, लक्ष्मी<br>बाजार, देवघर, झारखंड | **श्री प्रमोद कुमार टिबड़ेवाल**<br>दुमका रोड,<br>झारखंड | **श्री कैलाश चन्द्र साह**<br>मे. सौरभ पशु ओहार सेन्टर<br>गोला रोड, झारखंड | **श्री मनोज कुमार बंसल**<br>मे, बंसल ट्रेडिंग कं.<br>रामगढ़ कैंट, झारखंड | **श्री संजय अग्रवाल**<br>मे. श्री दादीजी टेक्सटाईल्स<br>गोला रोड, रामगढ़ कैन्ट,<br>झारखंड |
| **श्री विनय कुमार अग्रवाल**<br>मे. बी. के. ट्रेडर्स<br>रामगढ़ कैन्ट, झारखंड | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>मे. बी. के. ट्रेडर्स<br>रामगढ़ कैन्ट, झारखंड | **श्री विनोद कुमार (पंकज)**<br>गोला रोड, छट्ठी बाजार<br>रामगढ़ कैन्ट, झारखंड | **श्री धरम चंद पोद्दार**<br>९१/ए, पोस्ट आफिस रोड<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री बिनोद कुमार शर्मा**<br>होल्डिंग नं.-एन आई<br>एल/०४, वर्मा माईन्स,<br>जमशेदपुर, झारखंड |
| **श्री सांवर मल शर्मा**<br>मे बजरंग ट्रेडर्स, वर्मा माइंस,<br>जमशेदपुर, झारखंड | **श्री राम बिलास चौधरी**<br>लाल बाजार, झरिया<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अलोक कुमार जैन**<br>कोर्ट मोड़ रोड, धनबाद<br>झारखंड | **श्री उत्तम कुमार भूकानिया**<br>बी एम अग्रवाला कालोनी<br>धनसर, धनबाद, झारखंड | **श्री जगदीश प्रसाद काबरा**<br>बी. एम. अगरवाला कालोनी<br>धनसर, धनबाद, झारखंड |
| **श्री हेमन्त कुमार गुप्ता**<br>बी-१, कावेरी अपार्टमेंट<br>शांती भवन, बैंक मोड़,<br>धनबाद, झारखंड | **श्री निर्मल डालमिया**<br>एम. जी. रोड, कटिहार<br>बिहार | **श्री विश्वनाथ मुकिम**<br>मे. गोयल ज्वेलर्स<br>एम. जी. रोड, कटिहार<br>बिहार | **श्री मनोज कुमार सुराना**<br>हंसराज जैन, मिर्चाई बाड़ी<br>कटिहार, बिहार | **श्री अनिल कुमार चमड़िया**<br>मे. होटल सत्कर, न्यु<br>मार्केट, कटिहार, बिहार |
| **श्री मुकुट बिहारी अग्रवाल**<br>मे. श्री बजरंग साड़ीज सेन्टर<br>बिहार | **श्री रमेश कुमार मुरारका**<br>बालूघाट, वार्ड नं-१७<br>मुजफ्फरपुर, बिहार | **श्री बिनोद कुमार पुरिया**<br>मे. विनोद लाहटी भण्डार<br>इस्लामपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार | **श्री कैलाश प्रसाद धनधारियाँ**<br>मे. धनधारियाँ ब्रदर्स<br>सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार | **श्री अशोक कुमार सुल्तानियाँ**<br>मे. मातुश्री ओपटिक्स<br>ब्राह्मण टोली, मुजफ्फरपुर<br>बिहार |
| **श्री विश्वनाथ भरतिया**<br>मे. जयश्री बालाजी प्लाई<br>मुजफ्फरपुर, बिहार | **श्री राम निरंजन मारोदिया**<br>शाप नं.-५, प्रथम तल<br>कदमकुआँ, पटना, बिहार | **श्री अनुप कसेरा**<br>६०३, आशियाना प्लाजा<br>बोध प्लेयिंग मार्ग, पटना<br>बिहार | **श्री उमा बैरोलिया**<br>७४, नर्मदा अपार्टमेंट<br>एक्जीबीशन रोड, पटना<br>बिहार | **श्री राज कुमार बैरोलिया**<br>७४, नर्मदा अपार्टमेंट<br>एक्जीबीशन रोड, पटना<br>बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री विवेक सरावगी**<br>मे. कैलाश इंटरनेशनल<br>जमाल रोड, पटना, बिहार | **श्री दिनेश अग्रवाल**<br>ग्रांड डुमरी अपार्टमेंट<br>एकजीविशन रोड, पटना, बिहार | **श्री राजेन्द्र अग्रवाल**<br>३डी, शक्भमटी अपार्टमंट<br>चौक, पटनासिटी, बिहार | **श्री गनेश कुमार अग्रवाल**<br>मे. सुर्या प्लाईवूड<br>एक्जीविशन रोड, पटना, बिहार | **श्री गजानंद अग्रवाल**<br>मे. सुर्या प्लाईवूड,<br>एक्जीविशन रोड, पटना, बिहार |
| **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>मे. लंका कलेक्शन<br>लालजी मार्केट, पटना, बिहार | **श्री अमित कुमार भीमसरिया**<br>फ्लैट नं-१०१, दीपलीला<br>कम्पलेक्स, कदमकुंआ<br>पटना, बिहार | **श्री रेखा देवी चाचण**<br>न्यु मार्केट, गोपाल जी लेन<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री दिनेश कुमार गुप्ता**<br>मे. गुप्ता टिम्बर ट्रेडर्स<br>अखाड़ा घाट रोड<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री सौरभ धनधारियॉ**<br>मे. गोपाल एजेन्सी<br>मुजफ्फरपूर, बिहार |
| **श्री सुशील कुमार केजरीवाल**<br>मे. एस. के. इंटरप्राईजेज<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री विशेष सिकरीया**<br>सुन्दर, बैंक रोड<br>रक्सौल, बिहार | **श्री सीताराम गोयल**<br>मे. न्युरूप वहार<br>मेन रोड, रक्सौल, बिहार | **श्री हेमन्त अग्रवाल**<br>मे. भारत ट्रेडर्स, मेन रोड<br>रक्सौल, बिहार | **श्री अमित बजाज**<br>मे. बजाज इलेक्ट्रीक्लस<br>बैंक रोड, रक्सौल बिहार |
| **श्री अजय कुमार मस्करा**<br>मे. सिद्धी विनायक क्लेशज<br>रक्सौल, बिहार | **श्री रमेश कुमार बंसल**<br>रेडीमेड शाप, मेन रोड<br>रक्सौल, बिहार | **श्री रवि भरतिया**<br>भरतिया कालोनी<br>रक्सौल, बिहार | **श्री सतीश बंसल**<br>मे. सांई कृपा सिंथेटिक्स<br>रक्सौल, बिहार | **श्री संजीव कुमार अग्रवाल**<br>मे. अदिती, ट्रेडिंग कं.<br>मेन रोड, रक्सौल, बिहार |
| **श्री विनय अग्रवाल**<br>मे. श्री बालाजी ट्रेडिंग<br>चावल बाजार, रक्सौल, बिहार | **श्री कृष्णा कुमार मस्करा**<br>मे. अभिषेक हार्डवेयर<br>श्यामपूर बजार, अदापूर बिहार | **श्री सतीश कुमार अग्रवाल**<br>मे. जगदम्बा हार्डवेयर<br>श्यामपूर बाजार, अदापूर बिहार | **श्री सज्जन कुमार शर्मा**<br>मे. शर्मा जिमेन्ट स्टोर<br>श्यामपूर बाजार, अदापूर बिहार | **श्री अनिल कुमार अग्रवाल**<br>मे. साई हार्डवेयर<br>श्यामपूर बाजार, अदापूर बिहार |
| **श्री राधेश्याम अग्रवाल**<br>श्यामपूर बाजार, अदापूर<br>मोतीहारी, बिहार | **श्री विनोद कुमार अग्रवाल**<br>मे. प्रोगरेसिय इंटरप्राइजेज<br>मोतीहारी, पूर्वी चम्पारण, बिहार | **श्री रमेश प्रसाद अग्रवाल**<br>श्यामपूर बाजार, अदापूर<br>बिहार | **श्री सुरेन्द्र प्रसाद अग्रवाल**<br>मे. गणपती ट्रेडर्स<br>श्यामपूर बाजार, अदापूर बिहार | **श्री त्रियुश कुमार चौधरी**<br>मे. श्री बागजी इंटरप्राईजेज<br>बाराचकिया, बिहार |
| **श्री संजय कुमार मोदी**<br>सुभाष चौक, मेन रोड<br>बाराचकिया, बिहार | **श्री नथुलाल अग्रवाल**<br>मे. रूपम साड़ी शोरूम<br>मेन रोड, मोतीपूर, बिहार | **श्री सुनील कुमार मोदी**<br>मे. मोदी वस्त्रालय<br>मेन रोड, मोतीपूर, बिहार | **श्री श्रवण कुमार अग्रवाल**<br>मे. श्रवण मेडिकल हॉल<br>मेन रोड, साहेबगंज, बिहार | **श्री रवि मोदी**<br>मे. रवि एजेन्सी, थाना रोड,<br>साहेबगंज, बिहार |
| **श्री महेन्द्र कुमार शर्मा**<br>मे. शर्मा वस्त्रालय<br>मेन रोड, साहेबगंज, बिहार | **श्री रोहित कुमार देवड़ा**<br>मे. गिन्नी वस्त्र निकेतन<br>थाना रोड, साहेबगंज, बिहार | **श्री उमेश कुमार पालीवाल**<br>मे. उमेश कुमार नरेश कुमार<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री रवि अग्रवाल**<br>मे. रवि वस्त्रालय<br>देवरिया कोठी, मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री दिलीप कुमार पालीवाल**<br>मे. बिहार इलेक्ट्रीक<br>देवरिया कोठी, मुजफ्फरपूर बिहार |
| **श्री रवि कान्त पाठक**<br>हरसिद्धी, पूर्वी चम्पारण<br>बिहार | **श्री अजय कुमार सुल्तानियाँ**<br>मेन रोड, हरसिद्धी<br>पूर्वी चम्पारण, बिहार | **श्री नीहित कुमार**<br>मे. अग्रवाल मोहित सेन्टर<br>मेन रोड, हरसिद्धी,<br>पूर्वी चम्पारण, बिहार | **श्री अजय कुमार चौधरी**<br>मेन रोड, हरसिद्धी<br>पूर्वी चम्पारण, बिहार | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>सुगौली बाजार<br>बिहार |
| **श्री श्याम शर्मा**<br>सुगौली बाजार<br>बिहार | **श्री अभिषेक मोदी**<br>मे. चंदा मामा, मेन रोड<br>सुगौली, बिहार | **श्री सुजीत कुमार गाड़ोदिया**<br>मझौली, पूर्वी चम्पारण<br>बिहार | **श्री राज कुमार झुनझुनवाला**<br>मझौली, पूर्वी चम्पारण<br>बिहार | **श्री शांती मोहरा नेवटिया**<br>मे. पार्थ कम्युनिकेशन<br>मझौली, बिहार |
| **श्री राज कुमार जैन**<br>मे. अशोक टी कं.<br>लाल बाजार, बेलिया, बिहार | **श्री सुभाष चन्द्र रूँगटा**<br>मे. शुभ लाभ, प्रथम तल<br>बेलिया, बिहार | **श्री मुकेश कुमार झुनझुनवाला**<br>मे. श्री रानी सती ड्रेसेस<br>लाल बाजार, बेलिया,<br>बिहार | **श्री रवि कुमार गोयाधा**<br>द्वारा - श्री धनराज ग्रेस<br>बेलिया, बिहार | **श्री सुरेश कुमार सिंघानिया**<br>मे. आपकी दुकान<br>जनता सिनेमा चॉक<br>बेलिया, बिहार |
| **श्री दीपक कानोड़िया**<br>श्री राम भण्डार बिल्डिंग<br>लाल बाजार, बेलिया, बिहार | **श्री रमेश कुमार बैरोलिया**<br>मे. श्री दुर्गा आयेल मिल्स<br>बगेहा, पूर्वी चम्पारण, बिहार | **श्री अभय कुमार कानोड़िया**<br>मारवाड़ी टोला, साहु रोड<br>वताहा बाजार, पूर्वी चम्पारण<br>विहार | **श्री श्याम खेमका**<br>चनपटिया,<br>बिहार | **श्री संदीप कुमार शर्मा**<br>मे. विजय सर्विसेज स्टेशन<br>वार्ड नं.-११, चनपटिया<br>बिहार |
| **श्री संजय कुमार बंका**<br>वार्ड नं. ५, चनपटिया<br>पूर्वी चम्पारण, बिहार | **श्री अरविन्द कुमार पालीवाल**<br>मे. रोहन आई एल यू<br>देवरिया, मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री अमित कुमार कानोड़िया**<br>मे. सम्राट रेडिमेड<br>प्रथम तल, अन्नपूर्णा मार्केट,<br>भागलपूर, बिहार | **श्री हरि कृष्ण खेतान**<br>कृष्ण कन्हैया काम्पलेक्स<br>प्रथम तल, कातेवाली चौक<br>भागलपूर, बिहार | **श्री विकाश छापड़िया**<br>रामसर टोली, भागलपूर<br>बिहार |

RUPA
सर्दियों में
only
TORRIDO
TORRIDO
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 24th November 2018
RNI Regd. No. 2866/1968


# LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

**COMFORTS & CONVENIENCES**
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

**SENIOR-FRIENDLY**
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

**SECURITY**
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

**HEALTHCARE**
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022


From :
**All India Marwari Federation**
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com